20788 - समय से पहले नमाज़ पढ़ना

प्रश्न

क्या इशा की नमाज़ को उसके निर्धारित समय पर पढ़ने के बजाय, उसे सोने से पहले पढ़ना जायज़ है? कृपया प्रमाण सहित उल्लेख करें। धन्यवाद।

विस्तृत उत्तर

अल्लाह तआला ने फरमाया :

﴿إِن الصلاة كانت على المؤمنين كتاباً موقوتا ﴾

سورة النساء: 103

"निःसंदेह नमाज़ मोमिनों पर एक निश्चित समय पर अनिवार्य है।'' [सूरतुन-निसा : 103]

अर्थात् एक समय के साथ विशिष्ट है। पाँचों नमाज़ों के समय का वर्णन विस्तार से प्रश्न संख्याः (9940) में किया जा चुका है।

''मुसलमानों की सर्वसहमति के अनुसार, समय से पहले नमाज़ पढ़ना सही (मान्य) नहीं है। यदि कोई व्यक्ति समय से पहले नमाज़ पढ़ता है :

- तो यदि वह ऐसा जानबूझकर करता है, तो उसकी नमाज़ व्यर्थ (अमान्य) है और वह पाप से सुरक्षित नहीं है।

- और अगर उसने जानबूझकर नहीं किया है क्योंकि उसने यह गुमान किया कि नमाज़ का समय शुरू हो गया है, तो वह पापी नहीं है, और उसकी नमाज़ को नफ्ल माना जाएगा। लेकिन उसे इस नमाज़ को दोहराना होगा क्योंकि नमाज़ की शर्तों में से एक शर्त समय का प्रवेश करना है।''

अश-शर्हुल मुम्ते (2/88) से शैख मुहम्मद बिन उसैमीन रहिमहुल्लाह की बात समाप्त हुई।